Today's Poem – 10.06.2014

सदा इसी नशे में रहो कि हमारा पदमापदम भाग्य है

हमें मिला बाबा से पढ़ने का सौभाग्य है

ड्रामा में हर एक का पार्ट है

हमने बजाया हीरो एक्टर का पार्ट है

डायरेक्ट भगवान् से पढ़ाई पढ़कर, ज्ञानवान आस्तिक बनना और बनाना है

कभी भी बाप वा पढ़ाई में संशय नहीं लाना है|

भगवान् हमारा श्रृंगार कर रहे हैं, इस ख़ुशी में रहना

बाप समान लवली बनना

ब्राह्मण जीवन की प्रॉपर्टी सन्तुष्टता है

ब्राह्मण जीवन की पर्सनालिटी प्रसन्नता है

मेरा बाबा !!

ॐ शान्ति !!!